अब सम्भालो ना श्याम धणी भजन लिरिक्स

शरण तेरी आन पड़ा हूँ,
अब सम्भालो ना श्याम धणी,
विनती मेरी सुननी ही होगी,
देखो विपदा आन पड़ी।bd।

कितनो की किस्मत को,
तुमने संवारा है,
हारे हुए का,
तू ही एक सहारा है,
मेरी भी तक़दीर,
बदलना बाकी है,
तेरी मोरछड़ी का,
एक पंख ही काफी है,
मुझको यकीं तेरी मेहरबानी,
होगी मुझपे घडी हर घडी,
हाँ सम्भालो ना श्याम धणी।bd।

सारे जग से,
हार के दर पे आया है,
दुखडो का बादल,
सर पे मंडराया है,
मुझको भरोसा,
खाली ना लौटाओगे,
तुम इस हारे को अपने,
गले से लगाओगे,
मिल जाएगी 'चंदा' को खुशियां,
तेरी नज़रें जो मुझपे पड़ी,
हाँ सम्भालो ना श्याम धणी।bd।

शरण तेरी आन पड़ा हूँ,
अब सम्भालो ना श्याम धणी,
विनती मेरी सुननी ही होगी,
देखो विपदा आन पड़ी।bd।

Singer – Aamir Ali (Khatudham)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com